







उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा यमुना व छिपी हुई सरकृती नदी के संगम तट पर महाकुम्भ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। भारतीय सनातन संस्कृति में महाकुम्भ का विशेष महत्व है। यह केवल आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक आस्था का ही महापर्व नहीं है, बल्कि इसने भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के भी बीज हैं। इस बार के महाकुम्भ से सरकार को अनुमान है कि इसने टोडवेज, ऐलवे, विमानन, संचार, पर्यटन व नागरिक सुविधा प्रमुख हैं, जिन्हें आगदनी होगी। इसके अलावा निजी क्षेत्र से होने वाली आय से टैक्स भी भारी नात्रा में सरकार को प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने महाकुम्भ को आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का समागम कहा है। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक जनसमागम के आयोजन के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से लगभग 34 हजार करोड़ रुपये निवेश किए गए हैं। प्रयागराज नेला प्राधिकरण ने आबूद एजेंटों के अनुमान के अनुसार 10 से 12 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु ऐलवे से तो चार से पांच करोड़ के कीटीब श्रद्धालु टोडवेज बसों से आएंगे। इनसे लगभग दो लाख लोगों को रोजगार मिलेंगे। कीटीब 45 हजार टूट आपेटेटों को रोजगार मिलेगा। अनुमानित रिपोर्ट के अनुसार टूट व ट्रैवेल सेवटर ने रोजगार की संख्या 85,000 ही सकती है। असंगठित क्षेत्र ने लगभग एक लाख नई नौकरियां निल चुकी हैं, जिनमें टैट गाइड, टैक्सी ड्राइवर, दुधारिये, स्वयंसेवक, नाविक आदि शामिल हैं। महाकुम्भ से प्रयागराज नेला प्राधिकरण को लगभग 2000 करोड़ रुपये की आय हो सकती है। आस्था के इस महापर्व के सांस्कृतिक महत्व और अर्थव्यवस्था को होने वाले लाभ का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

# हमारी संस्कृति में छिपे हैं आर्थिकी के बीज



**महाकुम्भ**  
विनोद पाठक  
सरत्र प्रकार

भारत को धार्मिक स्थलों और नेलों का देश कहा जाए तो अतिशयोवित नहीं होगी। देश में उत्तर से दक्षिण और पूरब से परिचम तक सैकड़ों छोटे-बड़े मेले लाते हैं।

भारत ही नहीं, दुनिया भर में धार्मिक स्थल हैं। भारत ही नहीं, दुनिया भर में धार्मिक स्थल हैं। और पर्यटक इस बार महाकुम्भ मेले में आएंगे। यहाँ कामन है कि छोटी से लेकर बड़ी मल्टी-नेशनल कंपनियों की नज़र महाकुम्भ मेले पर है। महाकुम्भ मेले को तैयारीयों पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी भारी राशि का निवेश किया है। अनुमान है कि महाकुम्भ मेले से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने वाली है।

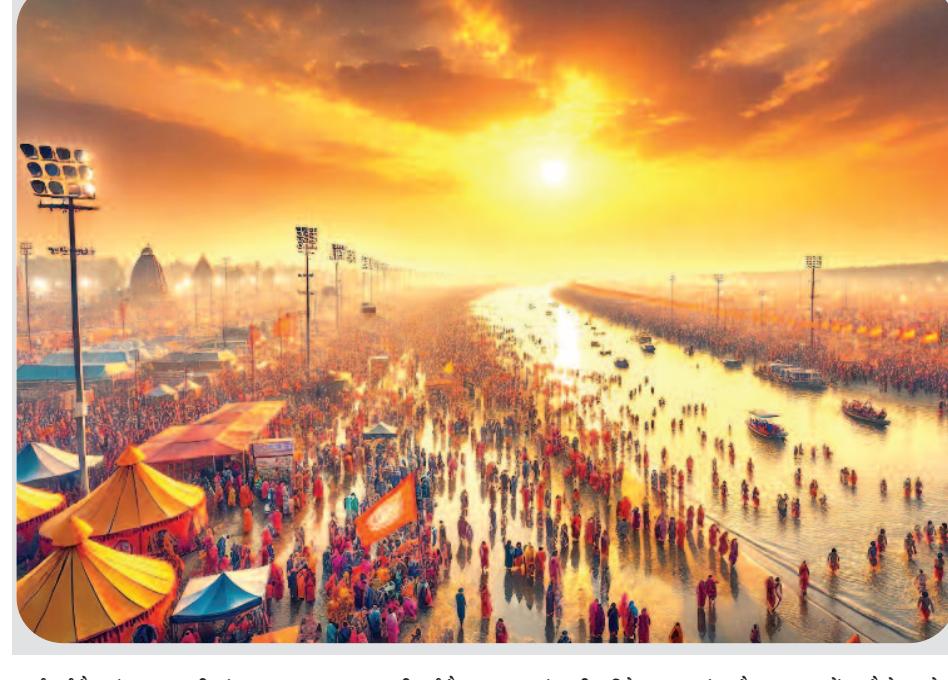
भारत को धार्मिक स्थलों और मेलों का देश कहा जाए तो अतिशयोवित नहीं होगी। देश में उत्तर से दक्षिण और पूरब से परिचम तक सैकड़ों छोटे-बड़े मेले लाते हैं। 5000 से अधिक धार्मिक स्थल हैं। भारत ही नहीं, दुनिया भर में धार्मिक स्थल हैं। और पर्यटक सभी राज्यों में अनेक बड़े धार्मिक स्थल हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में भूमिका निभा रहे हैं। अभी अयोध्या और काशी में ही देखा गया, वहाँ से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिलता है। अयोध्या में घिलेव पर्व जनवरी से सिवंतर तक 13.5 करोड़ लोग दर्शन करने वाले थे, जिनकी अधिकतम अगर में 12.5 करोड़ लोग ताजमहल का देखने के लिए पहुंचे थे। इस बार नववर्ष के पहले ही दिन 8 लाख लोग काशी विश्वानाथ कारिंडोर में दर्शनों को पहुंच गए। गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में मंदिरों से होने वाली आय राज्य का संबंधित सरकार को असर लाता है। उत्तर प्रदेश के अनेक बड़े धार्मिक स्थल हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में भूमिका निभा रहे हैं। राजस्थान, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, दिल्ली व इनसे लाइसेन्स लेने वाले राज्यों में अनेक बड़े धार्मिक स्थल हैं। आंध्र प्रदेश के अनेक बड़े धार्मिक स्थल हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में भूमिका निभा रहे हैं। अभी अयोध्या और काशी में ही देखा गया, वहाँ से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिलता है।

गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में लंटियों से होने वाली आय देखा गया, वहाँ से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिलता है।

मेला को बसाने में 21 विभाग शामिल

मेला क्षेत्रों को बसाने में 21 विभागों की भागीदारी रही है। इस बार मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। वर्ष 2019 के अनुकूल में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र था, जो इस बार 4200 हेक्टेयर हो गया है। संकरों की संख्या 20 से बढ़कर 25 हो गई है। घटों की लंबाई 8 किलोमीटर से बढ़कर 12 किलोमीटर हुई है। 15,000 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया गया है। 566 प्रोजेक्ट्स चलाए हैं।

गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में लंटियों से होने वाली आय देखा गया, वहाँ से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिलता है।



बाईंग माई है। पांडून पुल की संख्या 22 बढ़ाकर 30 की गई है। डेढ़ लाख अस्थाई और 1.5 लाख अस्थाई और 500 स्थाई शैचालाय बनाए गए हैं। मेला क्षेत्र में पैने दो लाख से अधिक टैट लगाए हैं और 25,000 लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है। 67,000 एकड़ी लाइसेन्स मेला क्षेत्र के द्विधिया रोशनी प्रदान कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 720.45 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है, जिसमें 441 प्रोजेक्ट और 125 डिपार्टमेंटल प्रोजेक्ट्स पूर्ण हुए हैं। इनमें 75 प्रतिशत पर स्थाई स्ट्रक्चर हैं। सबसे अधिक 42 प्रतिशत बजट पुल और रोड के डेवलपमेंट पर खर्च हुआ है।

## 2 लाख करोड़ की आर्थिक वृद्धि का दावा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि महाकुम्भ मेले से राज्य में 2 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक वृद्धि दर्ज होगी। वर्ष 2019 के कुंभ ने राज्य की अर्थव्यवस्था में 1.2 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार को महाकुम्भ मेले से 25,000 करोड़ रुपये की साधी राज्य की प्राप्ति होगी, जो किसानों द्वारा शुल्क और टैक्स के रूप में पिलेगा। छोटे दुकानदार से लेकर होटल इंडस्ट्री, ट्रांसपोर्ट

मेला को बसाने में 21 विभाग शामिल

मेला क्षेत्रों को बसाने में 21 विभागों की भागीदारी रही है। इस बार मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। वर्ष 2019 के अनुकूल में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र था, जो इस बार 4200 हेक्टेयर हो गया है। संकरों की संख्या 20 से बढ़कर 25 हो गई है। घटों की लंबाई 8 किलोमीटर से बढ़कर 12 किलोमीटर हुई है। 15,000 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया गया है। 566 प्रोजेक्ट्स चलाए हैं।

गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में लंटियों से होने वाली आय देखा गया, वहाँ से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिलता है।

मेला क्षेत्रों को बसाने में 21 विभाग शामिल

मेला क्षेत्रों को बसाने में 21 विभागों की भागीदारी रही है। इस बार मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। वर्ष 2019 के अनुकूल में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र था, जो इस बार 4200 हेक्टेयर हो गया है। संकरों की संख्या 20 से बढ़कर 25 हो गई है। घटों की लंबाई 8 किलोमीटर से बढ़कर 12 किलोमीटर हुई है। 15,000 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया गया है। 566 प्रोजेक्ट्स चलाए हैं।

गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में लंटियों से होने वाली आय देखा गया, वहाँ से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिलता है।

मेला क्षेत्रों को बसाने में 21 विभाग शामिल

मेला क्षेत्रों को बसाने में 21 विभागों की भागीदारी रही है। इस बार मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। वर्ष 2019 के अनुकूल में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र था, जो इस बार 4200 हेक्टेयर हो गया है। संकरों की संख्या 20 से बढ़कर 25 हो गई है। घटों की लंबाई 8 किलोमीटर से बढ़कर 12 किलोमीटर हुई है। 15,000 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया गया है। 566 प्रोजेक्ट्स चलाए हैं।

गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में लंटियों से होने वाली आय देखा गया, वहाँ से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिलता है।

मेला क्षेत्रों को बसाने में 21 विभाग शामिल

मेला क्षेत्रों को बसाने में 21 विभागों की भागीदारी रही है। इस बार मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। वर्ष 2019 के अनुकूल में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र था, जो इस बार 4200 हेक्टेयर हो गया है। संकरों की संख्या 20 से बढ़कर 25 हो गई है। घटों की लंबाई 8 किलोमीटर से बढ़कर 12 किलोमीटर हुई है। 15,000 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया गया है। 566 प्रोजेक्ट्स चलाए हैं।

गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में लंटियों से होने वाली आय देखा







## फिल्म इवेंट हॉलीवुड

डिज्नी ने बढ़ाया मदद का हाथ, आग से नुकसान से उबरने के लिए किया दान

लॉस एंजिल्स काउंटी के जंगल में लगी आग में अब तक काफी

ज्यादा नुकसान हो चुका है। इस भारी धूति को देखने हुए वाल डिज्नी की ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। शुक्रवार को

कंपनी ने घोषणा करते हुए कहा कि वह प्रारंभिक और तालिकालिक राहत एवं पुनर्निर्माण प्रयोगों के लिए एक करोड़ 50 लाख डॉलर (लगभग 120 करोड़ रुपये) दान करेगी। इस आग में अब तक हजारों घर और इमारतें जल चुकी हैं और कम से कम 10 लोग मारे गए हैं। कंपनी ने लापत्ते हैं और कमी अपने हाँस्य फिल्मों द्वारा डिज्नी अपने एलान में कहा कि उसका दान अमेरिका रेड क्रॉस, लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट फाउंडेशन और लॉस एंजिल्स रीजिल फूड बैंक जैसी संस्थाओं को जाएगा। बाल्ट डिज्नी कंपनी के सईंओ बॉब इगर ने कहा, इस त्रासी में बाल्ट डिज्नी कंपनी हमारे समुदाय और हमारे कर्मचारियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि हम सब मिलकर इस नुकसान से उबर सकें और पुनर्निर्माण कर सकें। उहोंने आगे कहा, बाल्ट डिज्नी ने लॉस एंजिल्स में अपनी कल्पना के साथ कर रखा था। वहीं उन्होंने अपने सम्पर्कों को आगे बढ़ाया और अद्भुत कहानियां बनाई जो दुनियाभर के लाखों लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम इस मजबूत और जीवंत समुदाय को इस कठिन समय में नुकसान के बावजूद और प्रशंसनीय रूप से बदलना चाहते हैं। उहोंने आगे कहा कि एक करोड़ 50 लाख डॉलर के दान के अतिरिक्त कंपनी अपने कर्मचारी राहत कोष में और अधिक संसाधन देने का इच्छा रखती है।

अद्भुत कहानियां बनाई जो दुनियाभर के लाखों लोगों के लिए कर्मचारियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि हम सब मिलकर इस नुकसान से उबर सकें और पुनर्निर्माण कर सकें। उहोंने आगे कहा, बाल्ट डिज्नी ने लॉस एंजिल्स में अपनी कल्पना के साथ कर रखा था। वहीं उन्होंने अपने सम्पर्कों को आगे बढ़ाया और अद्भुत कहानियां बनाई जो दुनियाभर के लाखों लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम इस मजबूत और जीवंत समुदाय को इस कठिन

एलान में नुकसान के बावजूद और प्रशंसनीय रूप से बदलना चाहते हैं। उहोंने आगे कहा कि एक करोड़ 50 लाख डॉलर के दान के अतिरिक्त कंपनी अपने कर्मचारी राहत कोष में और अधिक संसाधन देने का इच्छा रखती है।

## टॉलीवुड

रद्द हुआ बालकृष्ण के 'डाकू महाराज' का प्री-रिलीज इवेंट, वजह बनी ये घटना

तिरुपति में वैकेंटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ के बाद साउथ

स्टार नंदपुरी बालकृष्ण अपनी आगमी

फिल्म 'डाकू महाराज' के प्री-रिलीज इवेंट को

मेकर्स ने रद्द कर दिया है। इस भगदड़ में छह लोगों की

जान चली गई और कई लोग घायल हो गए।

ट्रॉयट में मैकर्स ने लिखा, 'डाकू महाराज' प्री-रिलीज इवेंट में नहाल ही में हुई घटनाओं से भगवारी टीम बहुत आहत है। भगवान वैकेंटेश्वर मंदिर में ऐसी घटना देखना दिल दहला देने वाला है। यह लाखों लोगों के लिए

भक्ति, आशा और हमारे पर्वतों की परंपराओं का एक हिस्सा है। ट्रॉयट में लिखा है, 'परिस्थितियों के देखते हुए हमें लगता है कि डाकू महाराज प्री-रिलीज इवेंट को ल्पान के अनुसार नहीं किया जा सकता इसलिए लोगों की भक्ति

और भावनाओं का सम्मान करते हुए हमने आज के कार्यक्रम को रद्द करने का निर्णय लिया है। हम इस कठिन समय में आपसे समझ और समर्पण की अशा करते हैं।

'डाकू महाराज' मक्क संक्रान्ति के मौके पर 12 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में बालकृष्ण

जबरदस्त भूमिका में नजर आने वाले हैं, साथ ही बॉली सिम्हा, उवशी रीतेला, श्रद्धा श्रीनाथ, प्रज्ञा जायसवाल और चांदी चौधरी जैसे कलाकारों की टुकड़ी भी है। इस

फिल्म के लिए प्री-रिलीज इवेंट अनंतपुर के श्रीनगर कॉलोनी, आंध्र प्रदेश में होना था, इसे भगदड़ के कारण रद्द कर दिया गया है।

## भोजपुरी

आंखों में नमी, चेहरे पर उदासी आप्रपाली ने हाथ जोड़ मांगी माफी

भोजपुरी सिनेमा की हर-दिल-अजीज एवं देशी आप्रपाली

दुबे इन दिनों अपनी फिल्म 'सास कमल बहू धमाल'

को लेकर चर्चा में है।

इस फिल्म के द्वेलर को खूब

पसंद किया गया। अब इसका एक गाना 'रचनाकार हो' भी

सुखीयां द्वारा किया गया है। यह एक दर्द भरा गीत है, जिसे देखकर

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

इस गाने को यूट्यूब पर 'फिल्मी भोजपुरी' वैनले ने बीते

साल 26 दिसंबर 2024 को रिलीज किया था। खबर लिखे

जाने तक 14 दिनों में इसे 13.38 लाख बार देखा जा चुका है।

यही नहीं, इसे 3.5 हजार से अधिक लाइसन भी मिले हैं।

मैकर्स ने गाने को रिलीज करते हुए लिखा है, 'दिल के छू लेवे

बाला गीत जबन रहा है। यह एक दर्द भरा गीत है, जिसे देखकर

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

इस गाने को यूट्यूब पर 'फिल्मी भोजपुरी' वैनले ने बीते

साल 26 दिसंबर 2024 को रिलीज किया था। खबर लिखे

जाने तक 14 दिनों में इसे 13.38 लाख बार देखा जा चुका है।

यही नहीं, इसे 3.5 हजार से अधिक लाइसन भी मिले हैं।

मैकर्स ने गाने को रिलीज करते हुए लिखा है, 'दिल के छू लेवे

बाला गीत जबन रहा है। यह एक दर्द भरा गीत है, जिसे देखकर

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।

आप्रपाली दुबे के फैस का गला भी रुद्ध हो रहा है।